1996 Israel Award

1997 Israel Award

डॉ. ए. के. मिश्रा अल्प परिचय

डॉ. मिश्रा जग प्रसिद्ध एक जमीन (मृदा) वैज्ञानिक तथा कृषी सलाहकार है । ईजीप्त, घाना, मलेशीया, बांग्लादेश, इजरायेल जैसे विदेशो में कृषी सलाहकार तथा महाराष्ट्र में बहुत से चीनी मिलो के कृषी सलाहकार के रुप में तथा इन्डो-इजरायेल एग्रोटेक लिमिटेड, राजदीप केमिकल्स एन्ड फर्टीलाइझर्स लिमिटेड, डॉ. मिश्रा फर्टीलाईझर्स एन्ड केमिकल्स, प्रोपाइटर, डॉ. मिश्रा आर्गेनिक फार्मींग सर्टीफिकेशन एजन्सी प्रा. लिमिटेड, (वडोदरा) में शोध विकास विभाग प्रमुख रुपे कार्यरत है । डॉ. मिश्रा का मुलाकात दूरदर्शन केन्द्र - दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई में कृषि सलाहकार १८०० दफा प्रसारित हुआ है । डॉ. मिश्रा को इजरायेल सरकार द्वारा वर्ष १९९६ तथा वर्ष १९९७ में दो बार विशिष्ट अेवोर्ड मिला हुआ है । डॉ. मिश्रा गन्ना की खेती में नयी खोज कि है जिसे डॉ. मिश्रा झिग-झेग पट्टा पद्धति के रुप में जाना जाता है । टमाटर की खेती में टेलीफोन पद्धति की खोज उनकी देन है ।

फसल : टमाटर

टमाटर फसल में अधिक उत्पादन हेतु एफ-१ जातीका ६ महिना के अंदर का बीज का पेकीग का सेलेक्सन करना चाहिए । ६ मास के पूर्व पैकिंग का उपयोग नही करना चाहिए ।

नर्सरी बेड तैयार करना आवश्यकः

- गर्मी के दीनोमे जिस खेत मे टमाटर का नर्सरी बेड तैयार करना हो ,उस भाग को कमसे कम चारबार ट्रेकटर फिराकर (उलट- पलटकरक), माटीको बारीक करना चाहिए.
- 10x4 फुट का नर्सरी बेड इस तरह तैयार करना चाहिए, जिससे दो बेड के बीचमे एक फूट खाली जगह रहे. सदर बेड का आकार "कबर के आकार का" होना चाहिए तथा माटी एक दमसे बारीक होना चाहिए ,जिसे "गादी रोप बाटीका" के नाम से जाना जाता है.
- गादी बाटीका तैयार करने से पहले १/२ एकड प्रमाण में फर्टोनिक सेन्द्रिय खाद (सीटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक - फॉस्फेट रिच सेन्द्रीय खाद (प्रोम) -पाउडर -२००kg + ईकोफर्ट -५०किलो तथा १ किलो फर्टोमिटोड मिलाकर भूरकाव करें तथा मिटटीमे. मिश्रण करना चाहिए. उसके बाद गादी बाटीका तैयार करें.
- गादी बाटीका में दो ईन्चके अंतर से अर्धा ईन्च का लाइन करना चाहिए तथा बीज अर्धा ईन्च के लाइनमें अर्धा इंच के अंतर से एक- एक बीज को डालने के बाद, झाडू मार कर मिटटी से ढक कर, गादी रोप बाटीका को कंतानसे ढकना चाहिए तथा झारा से उसके उपर पानी रेडना चाहिए. पानीका छिडकाव सुबह/दोपहर / शामको करना चाहिए.
- बीज डालने के चौथे तथा पांचवे दीन कंतानको थोडा उठाकर देखाना चाहिए की बीज संपूर्ण उग गया है की नही ? बीजोमें अंकुरण आने के बाद, शामको गादी रोप बाटीका से सभी कंतानको हटा देना चाहिए तथा झारा से पानी कंतान को हटातेही देना चाहिए .
- कंतान हटाने वाले दीन से सातवे दीन - फर्टोनिक -२०० (रुट बायो केमिकल्स - ५०ml) + ५० ml फर्टोनिक-१००० (स्ट्रेंथ बायो-केमिकल्स - ५०ml) + १५ml - फर्टीस्टीको + नीमोडोल-५०ml को अच्छी प्रकार मिलाकर प्रति सीकर पंप के मान से पौधों पर अच्छी तरह से पहला छिडकाव करें तथा ईसी मानसे प्रत्येक ८वे दिन कुल तीन वार छिडकाव करे ।
- कंतान हटने के १०वां तथा १७वां दिन को बोर्डो मिश्रण 10:5:100 मानसे तैयार करके झारा मार्फत गादी रोप बाटीका मे डाले जिससे पौधके सभी पत्ते भीग जावे उसके बाद झारामे स्वक्ष पानी लेकर गादीरोप बाटीका उपर इस प्रकार छिडके ताकी पत्ते पर से बोर्डोमिश्रण द्रावण न रहे.

- बीज डालेने वाले दीन से ३० वां दीन सायंकाल अथवा सुबह १० वजे से पहले, गादी रोप बाटीक उपर, झारा से पानी देकर, हल्के हाथ से प्रत्येक पौधोको उखाड कर छिचले वर्तन में १० लीटर पानी १००मि.ली. फर्टोनिक -२०० मिक्स करके इस द्रावण को इतना ही रखना चाहिए ,ताकी पौधे का जड पानीमें रहे,. जिसे जिस खेतमे रोपना हो, उस खेतमें नीचे लिखे सूचनानुसार रोपे.
- सामान्यत: बहुतसे किसान भाइ, स्वयं रोप बाटीका तैयार न करके ,अन्य जगहोसे तैयार रोप पौध लेकर टमाटर की खेती करते है, उत्पादन कम मिलने से आर्थिक नुकसानी पाते है , क्योकी दूसरे व्यक्तिने एफ -१ जाती का योग्य बीज लेकर ,रोप तैयार किया है की नही ? योग्य मावजत किया है की नही? उसका पता पौध से नही लगता है ।दुसरे व्यक्तिने एफ -१ जाती का बीज अंकुरण करायाहै, की सामान्य टमाटर का बीज बो कर फौधे तैयार किया है ।
- कंपनी के शोध तथा विकास विभाग के मतानुसार जो किसान **रोप बाटीका नही कर सकते, उन्हे टमाटर की खेती नही करना चाहिए।**

खेत की तैयारी :

- गर्मीके दीनो में कमसे कम आडी- उभी खेतमें ट्रेक्टर फिराकर, खेतकी जोताई करके, खेतमें बचे हए जीव जन्तुओ से, खेतको रक्षण करने के बाद ही , टमाटर रोपने से १५ दीन पहले ३ एकर मान से - फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद -३०० किलो + फर्टीवार्म -१००किलो + इको-फर्ट -१००किलो +फर्टोमिटोड - ३ किलो + मोफका सेन्द्रिय पोटाश - १५ किलो मिक्स करके, खेतमें छिडकाव करने के बाद, ट्रेकटर से जोतकर, उसे मिटटी मे व्यवस्थीत मिक्स करने तथा पाटा फेरकर जमीन को एक सरखा करने के बाद, ५-६ फूट के अंतर से लाइनो एक फुट नी उडाइवालो, करके एक रोपासे दूसरे रोप का अंतर १.५ अथवा २.० फूट रख कर, फेर रोपणी करना चाहिये ।
- मोफका दानेदार एन.पी.के. 12:32:16 या 20:20:00 -300kg + ईकोफार्ट-100kg तथा 20kg माइक्रो-फर्ट + जिंक सल्फेट - **33%-30kg** मिलकर प्रति एकर के मान से खेत की जुताई या मिट्टी में मिलवा दें ।
- संपूर्ण खेतमे फेर- रोपाइ सुबह के १० बजे तक अथवा सायंकाल ५.० बजे के बाद करना चाहिए ।उसके बाद खेतमें हल्का पानी पोध की लाइन मे देना चाहिए ।
- फेर रोपणी दीनसे १२वे दीन , २७वे दीन , ३९ वां दिवस फर्टोनिक -२००-५० मिं.ली. + फर्टोनिक -१००० -५० मि.ली. + ५० मि.ली. निमाडोल + फर्टीस्टीको- १५ मि.ली. प्रती सीकर पंप के मान से १५ मि.ली.पानीमे मिक्स करके व्यवस्थीत छिडकाव पौधोपर करना चाहिए ।
- फेर रोपणी से ४०वां -४५ दिवसे १० फुट के अंतर से ६फुट का बांस जंमिनमे गाड करके तार की दो लाइन जमीन से उपर २.०० फुट, तथा चार फुट के अंतर से खींच तांडीयां देकर , बांस से फिट करना चाहिए तथा पोधोकी समस्त डालीओ को सुतली के साथ, तार से बाधना चाहिए.
- प्रत्येक २०वां दिवसे पौधेकी डालीयो को सुतली से तारमें बांधना अति आवश्यक होता है।क्योकि अच्छे टमाटर जमीन के संपर्कमे आते ही बिगड जाते है ।यह कार्य पसल कटने से १५ दिवस पूर्व भंध करना चाहिँए ।
- फेर रोपणी से ६०वां दिवसे फर्टोनिक -२००-५० मिं.ली. + फर्टोनिक -१००० -५० मि.ली. + ५० मि.ली. निमाडोल + फर्टीस्टीको- १५ मि.ली.+फर्टोनिक-७००-५० मि.ली.+ फर्टोनिक-७००-५० मि.ली. प्रती सीकर पंप के मान से १५ मि.ली.पानीमे मिक्स करके व्यवस्थीत छिडकाव पौधोपर करना चाहिए तथा इसी मानसे प्रत्येक २० दिन के बाद फसल कटने तक छिडकाव करते रहाना चाहिए ।
- फेर रोपणी दिन से ७०वे दिन फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद -३०० किलो + फर्टीवार्म -१००किलो + इको-फर्ट -१००किलो + फर्टोमिटोड - ३किलो मिक्स करके पौध के जड से एक फूट की दूरी में, रीग आकार मे डाल कर मिटटी मे मिला देना चाहिए ।

टमाटर तोडना:

- दूर स्थल को माल विक्रय हेतु भेजने के लिए हमेशा भोट - टमाटर (अर्धा पीला तथा हरा टमाटर तोडना चाहिए एवं नजीक स्थल को विक्रय हदेतु हमेंशा लाल टमाटर तोडना चाहिए ।
- टमाटर तोडने के बाद उनकी साईझ / वजन प्रमाणे ग्रेडीग करने के बाद ही, बाज़ार में भेजना चाहिए ।
- टमाटर को दर रोज तोडना चाहिए. यदि टमाटर दररोज नही तोडा गया , तो इसका उत्पादन पर गंभीर परीणाम होता है।
- टमाटर की फसलमें कीटनाशक दवाओ की मात्रा कम करते हुए पानी का प्रमाण बढाकर पौधेकौ प्रत्येक पान / फल व्यवस्थीत भीग जाय , इस प्रकार से छिडकाव केरना चाहिए ।
- टमाटर की खेती में मासीक धर्मवाली स्त्री का **प्रवेश** नहीं होना चाहिए।
- संध्याकाल को जब सूर्य अस्त होता है तथा चंद्रमा का उदय होता है, उस समय गुगल का धूप खेत के चारो तरफ करें ।
- खेत में चारो दिशाओ में गेंदा का फुल लगान आवश्यक होता है ।

डॉ. ऐ. के. मिश्रा
(M.Sc. Agri, Ph.D. Soil Science)
प्रमुख - शोध विकास विभाग